



बहन की जवान बेटी की बुर चुदाई की लालसा-1

“मेरी बहन की ननद की बेटी हमारे घर कुछ दिन रहने आई तो उस सेक्सी कॉलेज गर्ल को देख कर मेरा लंड बेताब होकर उसकी बुर चोदन की ख्वाहिश करने लगा। ...”

Story By: (parthsarathi)

Posted: Saturday, March 11th, 2017

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [बहन की जवान बेटी की बुर चुदाई की लालसा-1](#)

बहन की जवान बेटि की बुर चुदाई की

लालसा-1

अन्तर्वासना के सभी पाठकों को मेरा प्यार भरा नमस्कार !

मेरा नाम दीपू है.. मैं 28 साल का हट्टा-कट्टा और एकदम गोरा चिट्टा युवक हूँ।

मैं आप लोगों के लिए मेरी एक नई और सच्ची सेक्स कहानी लेकर आया हूँ, यह घटना यही साल भर पहले की है।

जवानी की शुरुआत में ही मुझे मेरी भाभी ने अच्छा खासा ज्ञान और अनुभव दे दिया था..

जिसके कारण मैंने अपनी बहन और भाभी दोनों से सेक्स का मजा बहुत लिया है।

भाभी और बहन की चूत चुदाई की कहानी है- भाभी ने चूत दिखा कर बहनचोद बनाया

उम्र के साथ-साथ मेरी सेक्स की भूख भी बढ़ती जा रही थी, अब तो जिस भी सेक्सी लड़की को देखता.. तो उसे चोदने के लिए बेचैन हो उठता... किसी भी लड़की की चूचियां देखते ही मेरे हाथों में खुजली होने लगती, उसकी उभरी गांड को देखते ही लंड खड़ा हो जाता।

एक दिन मैं अपने घर पर ही था कि घर के बाहर गाड़ी के रुकने की आवाज सुनाई दी। मैंने मेनगेट खोला तो देखा मेरी दीदी की ननद ऑटो से उतर रही थीं.. साथ में उनकी बेटि रोमा भी थी।

वे लोग बिहार के हाज़ीपुर के रहने वाले हैं।

मैंने उन दोनों का स्वागत किया और उन्हें घर के अन्दर ले गया, मेरे घर वाले उन्हें देख कर

बहुत ही खुश हुए।

थोड़ी बहुत बातचीत के बाद बेबी दी (दीदी की ननद का नाम) गेस्ट रूम में फ्रेश होने के लिए चली गईं।

यहाँ मैं बता दूँ कि दीदी की ननद जो कि मुझसे बड़ी थीं.. उन्हें भी मैं दीदी कह कर ही बुलाता था।

रोमा अभी भी हम लोगों के पास बैठी थी, रोमा से बातचीत के बाद पता चला कि वो हमारे शहर में एग्जाम देने आई है।

रोमा बहुत ही खूबसूरत और बोलड लड़की थी, वो मुझे बहुत ही सेक्सी लग रही थी, पर मैं उसे जी भर के देख नहीं पा रहा था क्योंकि वो मेरी भतीजियों के साथ थी, वे सब आपस में बातें कर रही थीं।

रोमा की उम्र यही कोई 20 साल की होगी, उसकी चूचियाँ संतरे के आकार की होंगी और उसकी गांड भी बड़ी और उठी हुई थी।

वो लैगीज और शार्ट कुरती में कयामत ढा रही थी।

चूँकि मेरी भतीजियाँ भी उसे घेर कर बैठी थीं.. तो मैं चोरी से सबकी नजरें बचा कर रोमा की नुकीले पहाड़ सी तनी हुई चूचियों को देख कर अपने लंड को मसल रहा था।

मैं मन ही मन उसे चोदने का प्लान सोच रहा था। वो हमारे यहाँ करीब एक सप्ताह रुकने वाली थी, यह सोच कर मैं बहुत खुश हो रहा था कि एक सप्ताह में सात दिन होते हैं यानि कि जब दुनिया एक सप्ताह में सात बार घूम सकती है तो क्या कोशिश करने से मैं एक बार रोमा की बुर नहीं चूम सकता।

खैर.. जैसे-तैसे दिन बीता। मैं ज्यादा समय रोमा के आगे-पीछे मौके की तलाश में घूमता रहा.. पर उसके चूचियों को छूने का कोई मौका नहीं मिला, हाँ एक-दो बार मैंने उसके चूतड़ों को हल्के हाथों से टच जरूर कर लिया था.. जिसका उसे पता नहीं चला.. या शायद

उसे पता भी चल गया होगा.. पर मैंने इस अंदाज में उसके गोल मुलायम उभरे हुए चूतड़ों को टच किया था कि उसे लगा होगा कि ये अंजाने में हुआ ।

शरीर से चिपकी हुई मुलायम कपड़े की लैगीज के ऊपर से भी मैंने उसकी गांड की गर्मी को महसूस किया था ।

मेरा लंड का तो हाल पूछो ही मत दोस्तो.. अगर मैं पजामे के अन्दर चड्डी नहीं पहना होता.. तो शायद लंड महाशय अब तक पजामे को फाड़ चुके होते ।

जब वो चलती.. तो मेरी नजर उसकी बल खाती पतली कमर के साथ ऊपर-नीचे होती गांड पर ही जम कर रह जाती । बुर की प्यास से मेरा गला बार-बार सूख रहा था.. जिसे पानी नहीं भिगो पा रहा था ।

उस वक़्त मेरे पास मेरी प्यास बुझाने वाला और कोई भी नहीं था ।

इतनी हसीन लड़की को अपने घर में पा कर मैं चुदाई करने के लिए बेचैन हो गया था । अगर रोमा कभी अकेली मिलती.. तो मैं उसे खींच कर बात भी करता.. पर मेरी भतीजियां उसे अकेला छोड़ ही नहीं रही थीं ।

किसी तरह समय बीत रहा था ।

रोमा को चोदना है.. इसके अलावा मेरे दिमाग में और कुछ आ भी नहीं रहा था कि मैं कोई प्लान भी बना सकूँ । उसकी चूचियां और चूतड़ ही मेरे दिमाग में घूम रहे थे । उत्तेजना के मारे मेरा बुरा हाल था.. जिसे मेरी भाभी ने पढ़ लिया ।

जब सब रात का खाना खा रहे थे, तो भाभी ने मुझे अपने कमरे में आने को कहा । भाभी की उम्र अभी करीब 40 साल की होगी । अब वो मुझे उतना समय नहीं दे पाती थीं क्योंकि मेरा पूरा घर बच्चों से भर गया था । साथ ही भाभी का भी सेक्स में इंटरेस्ट कम हो गया था, बस

अब वो भैया तक ही सिमट कर रह गई थीं, कभी कभार ही महीनों में मुझे चान्स मिलता.. जब भैया कहीं बाहर होते।

खैर.. मैं भाभी के रूम में गया, तो भाभी मेरा इंतजार कर रही थीं। भाभी ने मुझे अपने पास बैठाया.. फिर मुझसे बोलीं- क्या बात है तुमने खाना क्यों नहीं खाया और इतने परेशान से क्यों हो ?

मैं भाभी से क्या छुपाता.. मैंने उन्हें सच-सच बता दिया कि सेक्स की भूख मुझे बेचैन कर रही है।

यह हिंदी सेक्स स्टोरी आप अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

भाभी पहले तो मुझे देख कर मुस्कराईं.. फिर अचानक ही भाभी ने अपना एक हाथ मेरे पजामे में डाल दिया। अब भाभी मेरे लंड को पकड़ कर सहलाने लगीं।

मेरी उत्तेजना इतनी बढ़ी हुई थी कि भाभी के द्वारा मेरे लंड को सहलाने से मेरी आँखें बंद हो गईं 'उम्मह... अहह... हय... याह...'

भाभी मेरे होंठों को भी चूसने लगी थीं।

दो ही मिनट में मेरे लंड ने पिचकारी छोड़ दी।

भाभी ने कसके मुझे अपने से चिपका लिया और मेरे कान में बोलीं- मेरे राजा अभी मेरा महीना आया है.. इसलिए इतने से ही काम चलाओ, अब चलो जल्दी से खाना खालो।

मुझे थोड़ी राहत मिली.. और मैं भाभी के पीछे चल दिया। मैंने खाना खाया और अपने रूम में सोने के लिए चला गया।

अपने कमरे में जाते हुए मेरी आँखें रोमा को ढूँढ रही थीं.. पर वो मुझे नहीं दिखी। अपनी भतीजी राखी से पूछने पर पता चला कि वो पढ़ रही है, क्योंकि कल ही उसका एग्जाम है।

करवटें बदल-बदल कर किसी तरह रात बीती ।

सुबह-सुबह नींद आई ही थी कि रोमा मेरे रूम में पहुँच गई, वो अकेली ही आई थी, वो मुझे उठाने लगी, यह मौका में कैसे गंवाता ।

अनजान बनते हुए मैंने रोमा को बांहों में समेट लिया और उसे अपने साथ लिटा लिया और बोला- गुड मॉर्निंग बच्चा.. क्यों सुबह उठा रही है राखी.. सोने दे ना.. तेरी चाची है साथ में!

यह सब करते हुए मेरी आँखें बंद थीं, रोमा के शरीर की भीनी खुशबू मेरी सांसों में समा रही थी । शायद वो नहा चुकी थी क्योंकि उसके गीले बाल मेरी गर्दन महसूस हो रहे थे । रोमा मेरी बांहों में कसमसाते हुए बोली- मामाजी.. मैं राखी नहीं.. रोमा हूँ, उठिए और फ्रेश हो जाइए । आपको मुझे एग्जाम दिलाने ले चलना है ।

इतना कहते हुए वो मेरी बांहों से छूटने की कोशिश करने लगी । उसके ऐसा करने से उसकी चूचियां जो मेरे सीने में दबी थीं.. वो सीने से रगड़ने लगीं ।

मैंने उसे अपने ऊपर खींच लिया था और मैं उसे छोड़ ही नहीं रहा था । उसके मखमली जिस्म की छुअन से मेरा लंड खड़ा होकर उसकी जाँघों के बीच में बुर से सटा हुआ था । रोमा जब जब हिलती.. तो कपड़े के ऊपर से मेरा लोहे की तरह कड़ा लंड उसकी बुर से रगड़ खाता ।

‘मामाजी उठिए ना.. मामाजी छोड़िए ना..’ यह कहते हुए वो हिल-हिल कर मुझसे छूटने की कोशिश कर रही थी और मैं आँखें बंद किए उसे कसके जकड़े हुए था ।

शायद रोमा को अपनी बुर पर मेरे लंड का स्पर्श अच्छा लगने लगा था.. इसीलिए उसने इधर-उधर हिलना कम कर दिया और अपनी बुर को मेरे लंड पर दबाने लगी थी ।

अब मुझे लगने लगा था कि रोमा की बुर भी फड़क उठी है और आज नहीं तो कल ये मेरे लंड पर झूल ही जाएगी।

मेरी सेक्स स्टोरी अगले भाग में समाप्त होगी।

parthsarathi2015@gmail.com

Other stories you may be interested in

चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-2

मेरी सेक्स कहानी के प्रथम भाग चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-1 में आपने पढ़ा कि कॉलेज में जाते ही मेरा दिल धड़कने लगा था किसी जवान मर्द के लिए, मेरी प्यासी जवानी मेरे सर चढ़ कर बोल रही थी. [...]

[Full Story >>>](#)

चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-1

दोस्तो, मेरा नाम ऋतु है, ऋतु वर्मा, सरनेम पर मत जाइए, मैं एक बंगाली लड़की हूँ। उम्र है 24 साल, लेकिन ब्रा में 38 साइज़ का पहनती हूँ। देखा 38 साइज़ सुनते ही मुंह में पानी आ गया न आपके। [...]

[Full Story >>>](#)

मौसी की लड़की को पटा के चोदा-2

दोस्तो, मैं कार्तिक गुप्ता फिर से हाज़िर हूँ आपके सामने अपनी सच्ची सेक्स कहानी मौसी की लड़की को पटा के चोदा-1 का दूसरा भाग लेकर ... जैसा कि मैंने पहली कहानी में बताया मैं अलीगढ़ उत्तर प्रदेश का रहने वाला [...]

[Full Story >>>](#)

गांव के देसी लंड ने निकाली चूत की गर्मी

मेरी पिछली कहानी थी भाभी के भैया को बना लिया सैंया मेरा नाम रेखा है और मैं देखने में काफी सेक्सी लगती हूँ. मैं गांव में रहने वाली देसी लड़की हूँ इसलिए यहाँ पर जगह का नाम नहीं बता सकती. [...]

[Full Story >>>](#)

मामा की बेटि की रस भरी चुदाई

दोस्तो, मेरा नाम परम है और मैं दिल्ली में रहता हूँ। मैं हमेशा से ही हिन्दी सेक्स स्टोरी पढ़ा करता था। आज मैं भी आपको अपने साथ हुई एक सच्ची घटना बताना चाहता हूँ। यह कहानी एकदम सच है। ये [...]

[Full Story >>>](#)

